Hindi Durva

Chapter 28 - गधा और सियार

1. नीचे दिए गए कथन किसके है?

1. अब गाना गाने का मन हो रहा है।

उत्तर: यह कथन गधे का हैं। उसने ऐसा सियार से ऐसा भोजन करने के बाद कहा था।

2. जो लोग खाने के बाद गाते नहीं, वे लोग अच्छे नहीं होते।

उत्तर: गधे के सियार से यह कहा था। इसलिए यह कथन गधे का है।

3. धैर्य के साथ रहकर उचित समय को पहचानने की बुद्धि तुझमें नहीं हैं।

उत्तर: यह बातें सियार ने गधे से कही थी इसलिए यह कथन सियार का है।

4. खुशी को भोजन की तरह पचाना आवश्यक है।

उत्तर: यह कथन गधे का है। उसने सियार से यह कहा था।

2. चित्रकथा के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

1. सियार ने गधे को गाना गाने से मना क्यों किया?

उत्तर: सियार और गधा किसानों के खेतों में चोरी से ककड़ी खा रहे थे। तब किसान सोए हुए था। जब गधे ने खाना खा लिया था तो वह गाना गाने के लिए कह रहा था। लेकिन

सियार उसे गाना गाने के लिए मना कर रहा था क्योंकि अगर गधा गाना गाता तो किसान उठ जाते और उनको खूब पीटते। इसलिए सियार ने गधे को गाना गाने से मना किया।

2. ककड़ी खाने के बाद गधे ने गाना गाने की गलती क्यों की?

उत्तर: गधे ने ककड़ी पेट भर कर खाई थी। वह ऐसा भोजन कर के बहुत खुश हो गया था। गधा सियार से कहता है की खुशी को भी भोजन की तरह पचाना चाहिए। इसलिए में अपनी खुशी के लिए गाना गाना चाहता हूँ। इसलिए गधे ने खाने की खुशी में गाना गाने की गलती की।

3. गधे ने कष्ट में पड़कर सियार से कौन सी बुद्धिमानी सीखी?

उत्तर: गधा अपनी गलती के कारण की कष्ट में पड़ गया था। उसने खुद को कष्ट में देखकर खुशी के मौके पर अधिक उत्साहित न होकर धैर्य रखने और ठीक समय पर दिमाग से काम करने की बुद्धिमानी सीखी।